

आज दिनांक 16.11.2011 को विश्वविद्यालय परिसर में निम्न विषय की पाठ्यक्रम समिति की एक आवश्यक बैठक हुई, जिसमें निम्न प्राध्यापकगण उपस्थित हुए :-

Date :- 16.11.2011

Subject :- Hindi

Committee Place :- Committee Hall

1. Dr. Kumud Goyal
2. Dr. Sachindra Varisth
3. Dr. Neeru Kapoor

एम.ज.पो. रुहलखण्ड विश्वविद्यालय बरलो
बो.ए. (पथम वर्ष) हिन्दी भाषा
द्वितीय पश्नपत्र
हिन्दी का व्याकरणिक स्वरूप

पणक : 50

पाठ्य-विषय-

- 1- हिन्दी ध्वनियाँ का स्वरूप-
क- स्वर आर व्यञ्जन
ख- मञ्जा, मवनाम, क्रिया, विशेषण
ग- वाक्य संरचना
- 2- हिन्दी शब्द-समूह
- 3- हिन्दी शब्द संरचना- पर्यायवाची, समानार्थक, विलामार्थक, अन्वयार्थक, अनेक शब्द
के स्थान पर एक शब्द समानार्थक शब्दों के पर्याय, निकटार्थ शब्दों के मध्य
अर्थ-भेद, समानार्थक शब्दों के भेद।
- 4- लिंग विधान आर कारक पर्याय-
क- वतनों
ख- विरामादि चिह्नों के पर्याय
ग- महावर आर लोकाक्रिया तथा उनके रचनात्मक पर्याय
- 5- उपसर्ग, पत्यय।

अंक विभाजन

5 वस्तुनिष्ठ	:	5 X 1 = 5
5 लघु उत्तरीय पश्न	:	5 X 3 = 15
2 दीर्घ उत्तरीय पश्न	:	2 X 6 = 12
3 आलाचनात्मक पश्न	:	3 X 6 = 18
योग		<u> = 50</u>

सन्दर्भ-

1. राजभाषा हिन्दी - गाविन्दराम, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, पर्याय।
2. राष्ट्रभाषा आन्दोलन - गापाल परशराम, महाराष्ट्र सभा।

एम.ज.पो. रुहलखण्ड विश्वविद्यालय बरलो
बो.ए. (पथम वर्ष) हिन्दी भाषा
पथम पञ्चपत्र
हिन्दी भाषा का विकासात्मक परिचय

पृष्ठांक : 50

पाठ्य विषय-

- 1- अपभ्रंश आर पुरानो हिन्दी का सम्बन्ध
- 2- हिन्दी का उपभाषाओं का सामान्य परिचय
- 3- काल्य भाषा क रूप में हिन्दी का विकास
अ. अवधो का विकास
ब. बज का विकास
म. खड़ो बालो का विकास
- 4- राष्ट्रभाषा क रूप में हिन्दी का विकास-
अ. खड़ो बाला का सम्पक भाषा क रूप में विकास
ब. राजभाषा : वाच्य एवं महत्त्व
म. राष्ट्रभाषा हिन्दी को समझ्याएँ
- 5- देवनागरी लिपि-
अ. संक्षिप्त इतिहास
ब. वर्तानिकता
म. सोमार्ण आर सम्भावनाएँ
द. वर्तमान मन्दभ में माथकता

अक विभाजन

5 वर्तानिकता	:	5 X 1 = 5
5 लघु उत्तराय पश्न	:	5 X 3 = 15
2 दीर्घ उत्तराय पश्न	:	2 X 6 = 12
3 आलोचनात्मक पश्न	:	3 X 6 = 18
		<u> = 50</u>

सन्दभ पुस्तक-

1. हिन्दीभाषा का उदभव आर विकास - उदयनारायण त्रिवारी
2. नागरीलिपि आर हिन्दी वर्तनो - बिहार हिन्दी मन्थ अकादमी, पटना
3. राष्ट्रभाषा आर हिन्दी - राजन्महिन भटनागर, काँह, मन्थान, आगरा

एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली
बी.ए. (प्रथम वर्ष) हिन्दी भाषा
द्वितीय प्रश्नपत्र
हिन्दी का व्याकरणिक स्वरूप

पूर्णांक : 50

पाठ्य-विषय-

- 1- हिन्दी ध्वनियों का स्वरूप-
क- स्वर और व्यंजन
ख- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण
ग- वाक्य संरचना
- 2- हिन्दी शब्द-समूह
- 3- हिन्दी शब्द संरचना- पर्यायवाची, समानार्थक, विलोमार्थक, अनेकार्थक, अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द समूहार्थक शब्दों के प्रयोग, निकटार्थी शब्दों के सूक्ष्म अर्थ-भेद, समानार्थक शब्दों के भेद।
- 4- लिंग विधान और कारक प्रयोग-
क- वर्तनी
ख- विरामादि चिह्नों के प्रयोग
ग- मुहावरे और लोकोक्तियों तथा उनके रचनात्मक प्रयोग
- 5- उपसर्ग, प्रत्यय।

अंक विभाजन

5 वस्तुनिष्ठ	:	5 X 1 = 5
5 लघु उत्तरीय प्रश्न	:	5 X 3 = 15
2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2 X 6 = 12
3 आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 X 6 = 18
योग	:	_____ = 50

सन्दर्भ-

1. राजभाषा हिन्दी - गोविन्ददास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. राष्ट्रभाषा आन्दोलन - गोपाल परशुराम, महाराष्ट्र सभा।

I/c website

कृपया

upload करें

A.R.

बी0ए0 ;द्वितीय वर्ष
प्रथम प्रश्न-पत्र प्रयोजनमूलक
हिन्दी का स्वरूप

हिन्दी भाषा

पूर्णांक : 50

- 01- प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा एवं विकास।
- 02- टिप्पणी, आलेखन।
- 03- हिन्दी पत्राचार-
क. कार्यालयी, पत्राचार।
ख. वाणिज्यिक पत्राचार।
- 04- पारिभाषिक शब्दावली का सैद्धान्तिक परिचय, व्यवहार।
- 05- संक्षेपण एवं पल्लवन।

अंक विभाजन

10 वस्तुनिष्ठ	:	10 × 01 = 10
5 लघु उत्तरीय प्रश्न	:	05 × 02 = 10
6 लघु-उत्तरीय प्रश्न	:	06 × 02 = 12
3 आलोचनात्मक प्रश्न	:	03 × 06 = 18
योग		= 50

सन्दर्भ पुस्तकें-

- 01- प्रयोजनमूलक हिन्दी- रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- 02- प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग, रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- 03- प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिन्दी- रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- 04- हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप- कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली
- 05- प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी- कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला, प्रकाशन, दिल्ली
- 06- प्रशासनिक हिन्दी टिप्पण, प्रारूपण एवं पत्र लेखन- हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
- 07- आधुनिक व्याकरण एवं रचना- वारुदेव नन्दन प्रसाद, पटना

संशोधित पाठ्यक्रम
बी०ए० द्वितीय वर्ष
हिन्दी भाषा— द्वितीय प्रश्न—पत्र
आधुनिक गद्य विधायें

पाठ्य विषय—

पूर्णांक : 50

गद्य विविधा नामक संकलन बनाया जायेगा जिसमें निम्नलिखित विधायें समायोजित की जायेंगी।

- 01— व्यंग्य— भारतेन्दु — स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन
- 02— प्रेमचन्द — बड़े भाई साहब
- 03— रेखाचित्र— महादेवी वर्मा— गिल्लू
- 04— संस्मरण— काशीनाथ सिंह— घर का जोगी जोगड़ा— पृष्ठ 41 उन दिनों उन्होंने
भैरव प्रसाद गुप्त — से पृष्ठ 50 विद्रोह भी लोगों के दिमाग में होते हैं, तक।
- 05— रिपोर्ताज— फणीश्वरनाथ रेणु — ऋण जल धन जल— पंछी की लाश
- 06— यात्रावृत्तांत — अज्ञेय—अरे यायावार रहेगा याद का एक अंश— मौत की घाटी
- 07— डायरी— रघुवीर सहाय — दिल्ली मेरा परदेश
- 08— आत्मकथा — ओम प्रकाश वाल्मीकि — जूठन का एक अंश पृ 30 बरसात
के दिन —से पृ 35 मकानों को भी जर्जर कर देते हैं—तक।

अंक विभाजन

10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 x 01 = 10
पाठ्य—पुस्तक से 4 लघु उत्तरीय प्रश्न	04 x 03 = 12
5 अति लघु उत्तरीय प्रश्न	05 x 02 = 10
आलोचनात्मक प्रश्न—3	03 x 06 = 18
योग	50 अंक



5